Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Shravaka Pratikramana Sutra

Folder No.	002714
Granth Name	Shravaka Pratikramana Sutra
Author	Vijay Muni
Publisher	Sanmati Gyanpith Agra
Edition	3
Year	1986
Pages	178

श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र

फोल्डर नं.	००२७१४
ग्रन्थ	श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र
लेखक	विजय मुनि
प्रकाशक	सन्मति ज्ञानपीठ आगरा
आवृत्ति	३
प्रकाशन वर्ष	१९८६
पृष्ठ	१७८

मुख्य टाइटल

समर्पण

दो शब्द

प्रकाशक की ओर से

विषयानुक्रमणिका

सामायिक सूत्र

- नमस्कारसूत्र ---------- ३
- गुरु – वन्दनसूत्र ---------- ५
- सम्यकत्वसूत्र ---------- ६
- गुरु – गुण – स्मरणसूत्र ---------- ८
- आलोचनासूत्र ---------- ९
- उत्तरीकरणसूत्र ---------- १२
- आगारसूत्र ---------- १३
- चतुर्विंशतिस्तव – सूत्र ---------- १६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सामायिकसूत्र ---------- १९
प्रणिपातसूत्र ---------- २१
समाप्तिसूत्र ---------- २४
परिशिष्ट ---------- २९
श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र
उपक्रम सूत्र ---------- ३५
संक्षिप्त प्रतिक्रमणसूत्र (अतिचार आलोचना) ---------- ३६
ज्ञानातिचार ---------- ४१
दर्शनातिचार ---------- ४३
प्रथम अहिंसा – अणुव्रत के अतिचार ---------- ४३
द्वितीय सत्य – अणुव्रत के अतिचार ---------- ४४
तृतीय अस्तेय – अणुव्रत के अतिचार ---------- ४४
चतुर्थ – ब्रह्मचर्य – अणुव्रत के अतिचार ---------- ४५
पंचम अपरिग्रह – अणुव्रत के अतिचार ---------- ४५
षष्ठ दिशा – परिमाणव्रत के अतिचार ---------- ४६
सप्तम उपभोग – परिभोग परि. व्रत के अति ---------- ४६
पंच – दश कर्मादान ---------- ४७
अष्टम अनर्थ – दण्ड – विरमणव्रत के अतिचार ---------- ४८
नवम सामायिकव्रत के अतिचार ---------- ४८
दशम देशावकाशिकव्रत के अतिचार ---------- ४८
एकादश पौषधव्रत के अतिचार ---------- ४९
द्वादश अतिथि – संविभागव्रत के अतिचार ---------- ५०
संलेखना के अतिचार ---------- ५०
अष्टादश पाप – स्थान ---------- ५१
निन्यानवे अतिचार ---------- ५१
समग्र अतिचार – चिन्तन ---------- ५१
द्वादशावर्त गुरुवन्दनसूत्र ---------- ५२
श्रावकसूत्र
मंगलसूत्र ---------- ५९
सम्यकत्वसूत्र ---------- ६०
प्रथम अहिंसा – अणुव्रत ---------- ६१
द्वितीय सत्य – अणुव्रत ---------- ६७
तृतीय अस्तेय – अणुव्रत ---------- ७१
चतुर्थ ब्रह्मचर्य – अणुव्रत ---------- ७५
पंचम अपरिग्रह – अणुव्रत ---------- ७९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

षष्ठ – दिशाव्रत ---------- ८३
सप्तम उपभोगपरिभोग – परिमाणव्रत ---------- ८६
पंचदश कर्मादान ---------- ८९
अष्टम अनर्थदण्ड – विरमणव्रत ---------- १००
नवम सामायिक – व्रत ---------- १०३
दशम देशावकाशिक – व्रत ---------- १०७
एकादश पौषधव्रत ---------- ११३
द्वादश अतिथि – संविभाग – व्रत ---------- ११८
संलेखनासूत्र ---------- १२१
आलोचना ---------- १२७
अष्टादश पापस्थान ---------- १२७
उपसंहारसूत्र ---------- १२८
पाँच पदों की वंदना (पध) ---------- १२९
पाँच पदों की वंदना (गध) ---------- १३२
अनन्त चौबीसी ---------- १३५
समुच्चय जीवों से क्षमापना ---------- १३५
क्षमापनासूत्र ---------- १३६
आवस्सहि ईच्छाकारेणं ---------- १३८
ध्यान के विषय में ---------- १३८
सामायिक आदि छह आवश्यक ---------- १३८
परिशिष्ट ---------- १३९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org